1. पुरानी वाचा को समझना

जब हम “नयी वाचा” की बात करते हैं, तो पहले “पुरानी वाचा” को समझना ज़रूरी है। क्योंकि नयी वाचा पुरानी वाचा को पूरा करती है और उससे श्रेष्ठ है (इब्रानियों 8:6–13)। बाइबल भी दो बड़े हिस्सों में बँटी है:

पुराना नियम (पुरानी वाचा पर आधारित)
नया नियम (नयी वाचा पर आधारित)

पुरानी वाचा की नींव: अब्राहम

पुरानी वाचा तब शुरू हुई जब परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी। यह केवल एक सामान्य वादा नहीं था, बल्कि आज्ञाकारिता, आशीष और वंशजों से जुड़ा एक दिव्य समझौता था।

उत्पत्ति 17:1–2 (ERV-HI)
“मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर हूँ। मेरे सामने सीधा चल और निष्कलंक रह। और मैं तुझ से वाचा बाँधूँगा, और तेरा वंश बहुत बढ़ाऊँगा।”

परमेश्वर ने अब्राहम का नाम “बहुतों का पिता” रखा, उसे कनान का

देश देने का वादा किया, और खतना को वाचा का चिन्ह बनाया (उत्पत्ति 17:4–11)। यह वाचा संबंध और भूमि दोनों से जुड़ी थी—परमेश्वर उनका परमेश्वर बनेगा और उन्हें प्रतिज्ञात देश मिलेगा।

मूसा के द्वारा व्यवस्था

अब्राहम के वंशज इस्राएल एक बड़ी जाति बने, पर वे पूरी तरह परमेश्वर को नहीं जानते थे। इसलिए जंगल में परमेश्वर ने मूसा के माध्यम से व्यवस्था दी—यह उन्हें बचाने के लिए नहीं, बल्कि पवित्र जीवन जीना सिखाने के लिए थी।

गलातियों 3:19 (ERV-HI)
“तो व्यवस्था क्यों दी गई? यह लोगों के अपराधों के कारण दी
गई थी, जब तक कि वह ‘संतान’ न आ जाए जिसे प्रतिज्ञा दी गई थी।”

ये कानून बाइबल की पहली पाँच पुस्तकों में लिखे गए थे (तोरा):

उत्पत्ति
निर्गमन
लैव्यव्यवस्था
गिनती

व्यवस्थाविवरण

इसे मूसी वाचा कहा गया। इसने इस्राएल की राष्ट्रीय पहचान और परमेश्वर के साथ उनके संबंध को परिभाषित किया। फिर भी यह अस्थायी और अधूरी थी।

2. नयी वाचा की आवश्यकता

पुरानी वाचा पवित्र थी, पर यह किसी को बचा नहीं सकती थी। यह पाप को उजागर करती थी, मिटा नहीं सकती थी।

इब्रानियों 10:1 (ERV-HI)
“व्यवस्था आने वाली अच्छी चीजों का केवल छाया है, वास्तविक रूप नहीं। इसलिए यह बार-बार चढ़ाए जाने वाले बलिदानों से
आने वालों को सिद्ध नहीं कर सकती।”

इस्राएल अक्सर वाचा तोड़ता रहा। उनके दिल कठोर रहे। परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से नयी वाचा का वादा किया, जो भीतर से मनुष्य को बदल देगी।

यिर्मयाह 31:31–33 (ERV-HI)
“देखो, वे दिन आ रहे हैं… जब मैं इस्राएल और यहूदा के घराने
के साथ नई वाचा करूँगा… मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में
रखूँगा और उनके हृदय पर लिख दूँगा… मैं उनका परमेश्वर
बनूँगा और वे मेरा लोग होंगे।”

3. नयी वाचा – यीशु मसीह में पूरी हुई

जैसे पुरानी वाचा एक मनुष्य (अब्राहम) से शुरू हुई, वैसे ही नयी वाचा भी एक मनुष्य—यीशु मसीह—से शुरू होती है।

इब्रानियों 8:6 (ERV-HI)
“परन्तु अब यीशु ने इतनी उत्तम सेवा प्राप्त की है कि वह
उत्तम प्रतिज्ञाओं पर आधारित उत्तम वाचा का मध्यस्थ है।”

यीशु नयी वाचा के मध्यस्थ हैं। यह वाचा हमें देती है:

पापों की क्षमा
अनन्त जीवन
पवित्र आत्मा का वास
विश्वास के द्वारा परमेश्वर तक पहुँच

यह वाचा पशुओं के लहू पर नहीं, बल्कि यीशु के बहाए हुए लहू पर आधारित है।

लूका 22:20 (ERV-HI)
“यह प्याला मेरे लहू में नई वाचा है, जो तुम्हारे लिए बहाया जाता है।”

4. नयी वाचा में कौन प्रवेश कर सकता है?

पुरानी वाचा केवल इस्राएल (अब्राहम के शारीरिक वंशज) तक सीमित थी। नयी वाचा सभी राष्ट्रों के लिए खुली है—यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए।

नयी वाचा में शामिल होने के लिए:

1. आत्मा से जन्म लेना आवश्यक है (यूहन्ना 3:3)
2. यीशु पर विश्वास करना और बपतिस्मा लेना (मरकुस 16:16)
3. उसकी शिक्षाओं पर चलना (यूहन्ना 8:31)

यूहन्ना 3:3 (ERV-HI)

“सत्य-सत्य मैं तुम्हें कहता हूँ, जब तक कोई नये सिरे से
जन्म नहीं लेता, वह परमेश्वर के राज्य को नहीं देख सकता।”

5. बपतिस्मा – नयी वाचा का चिन्ह

पुरानी वाचा में बाहरी चिन्ह खतना था। नयी वाचा में यह बपतिस्मा है—जो आत्मिक खतना और पुराने जीवन के मरने का प्रतीक है।

कुलुस्सियों 2:11–12 (ERV-HI)
“तुम में भी उसी में खतना हुआ… मसीह के खतने के द्वारा, बपतिस्मा में उसके साथ गाड़े गए…”

बपतिस्मा केवल रस्म नहीं है; यह घोषणा है कि हम अब यीशु के हैं, पाप के लिए मर चुके और नए जीवन में उठे हैं।

6. नयी वाचा में जीना सीखना

जैसे इस्राएल को पुरानी वाचा के नियम सीखने और पालन करने थे,

वैसे ही मसीहीयों को यीशु और प्रेरितों की शिक्षाओं को सीखना और पालन करना होता है।

इसलिए नये नियम में 27 पुस्तकें हैं:

सुसमाचार – यीशु का जीवन और शिक्षा
प्रेरितों के काम – प्रारम्भिक कलीसिया का जीवन
पत्रियाँ – विश्वासियों को मार्गदर्शन
प्रकाशितवाक्य – परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं की पूर्ति

मत्ती 28:20 (ERV-HI)
“उन्हें यह सिखाओ कि वे वे सब बातें मानें जिनकी आज्ञा
मैंने तुम्हें दी है।”

7. नयी वाचा क्या है?

नयी वाचा वह वाचा है जो परमेश्वर ने यीशु मसीह के माध्यम से विश्वास करने वालों के लिए बनाई। यह पुरानी वाचा को बदल देती है और हमें देती है:

परमेश्वर के साथ नया संबंध
पापों की क्षमा

पवित्र आत्मा का वास
मसीह में अनन्त विरासत

रोमियों 8:1–2 (ERV-HI)
“इसलिए अब जो मसीह यीशु में हैं, उन पर दण्ड की कोई आज्ञा
नहीं। क्योंकि मसीह यीशु में जीवन देने वाली आत्मा की
व्यवस्था ने मुझे पाप और मृत्यु की व्यवस्था से मुक्त कर
दिया है।”

8. क्या आप नयी वाचा का हिस्सा हैं?

यह हर व्यक्ति को खुद से पूछना चाहिए। क्या आप अभी भी इस वाचा के बाहर हैं, या मसीह में नये जन्म पाए हैं?

1 पतरस 2:9–10 (ERV-HI)
“परन्तु तुम एक चुनी हुई जाति, राजकीय याजक… जो पहले लोग न
थे, अब परमेश्वर के लोग हो…”

यदि नहीं, तो देर न करें। आज ही यीशु को अपने जीवन में बुलाएँ।

नये जन्म पाएँ।
बपतिस्मा लें।
पवित्र आत्मा ग्रहण करें।
परमेश्वर के राजसी परिवार में शामिल हों।

यह अनुग्रह का वरदान है। हम अन्यजाति होने के बावजूद, मसीह की दया से इसमें शामिल हुए हैं। इसे हल्के में न लें।

अंतिम आशीष

यदि आप मसीह में हैं, तो आप:

परमेश्वर के बच्चे हैं (यूहन्ना 1:12)
मसीह के सह-वारिस हैं (रोमियों 8:17)
स्वर्ग के नागरिक हैं (फिलिप्पियों 3:20)
नयी वाचा समुदाय का हिस्सा हैं

इस अनुग्रह में जिएँ। बढ़ते रहें। दूसरों को सिखाएँ। और कभी पीछे न लौटें।

आमीन। हालेलूयाह!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP

GROUP....

Share on:
WhatsApp